बालविकास एवं शिक्षाशास्त्र विविध

Books	Writers
The language and Thought of child The child Conception of the world Play dreams and imitation in childhood Psychology and Epistemology Behaviour and Evolution	पियाजे

* अध्यापक शिक्षा दिवस – 5 सितम्बर
* विश्व अध्यापक दिवस – 5 अक्टूबर
* राष्ट्रीय शिक्षा दिवस – 11 नवम्बर
* बाल अपराध विज्ञान के जनक – सीजर लोम्ब्रोसो
* EIA – Emotional Intelligence Appraisal – 2001
* Book – Theories of Learning – हिलगार्ड
* Book – Pathology of Brain – क्रैपलिन (जर्मनी)
* सम्प्रत्यय उपलब्धि शिक्षण प्रतिमान – फ्रोबेल (जर्मनी)
* अग्रिम संगठक शिक्षण प्रतिमान – आसुबेल
* Book – Educational Psychology Cognitive View – डेविड आसुबेल
* The Condition of Learning – RS गैने
* पुनर्बलन की अनुसूची – स्किनर
* सारगर्भिता का नियम – गेस्टाल्ट
* सांस्कृतिक, ऐतिहासिक मनोविज्ञान सिद्धांत के प्रतिपादक – वाइगोत्स्की
* क्लाउड पिक्चर Test का प्रयोग – व्यक्तित्व मापन
* संवेग के 3 प्रकार
  1. ज्ञानात्मक संवेग
  2. क्रियात्मक संवेग
  3. भावात्मक संवेग

  – रॉस द्वारा

* Childhood and Society → एरिक्सन की कृति 1963

* "भाषा अर्जन जन्मजात प्रकृति है।" – नोम चॉमस्की

* सामाजिक सांवेगिक विकास का पारिस्थितिकपरक सिद्धांत
* जैव पारिस्थितिकी मॉडल

] – यूरी ब्रोनफेनब्रेन्नर

वाइगोत्स्की [
सामाजिक व सांस्कृतिक विकास का सिद्धांत
मानव का सामाजिक व जैव सामाजिक विकास का सिद्धांत

* जीव सांख्यिकीय सिद्धांत – गाल्टन

* "बालक में गुणों का हस्तांतरण केवल माता-पिता से ही न होकर पूर्वजों से भी होता है" – गाल्टन

* "वातावरण के साथ शारीरिक व मानसिक समायोजन होता है और यह आनुवांशिक रूप लेता है।" – डार्विन का विकासवादी सिद्धांत

* भाषा का सापेक्षवादी सिद्धांत – व्हार्फ
* भाव का त्रिविमीय सिद्धांत – विलियम वुण्ट

* संरचनावाद (प्रथम सम्प्रदाय) – विलियम वुण्ट एवं टिचनर
* प्रकार्यवाद / कार्यवाद – विलियम जेम्स
* गेस्टाल्टवाद – मेक्स वर्दीमर, कोहलर, कोफ्का, कुर्ट लेविन
* मानवतावाद – मेस्लो व रोजर्स
* साहचर्यवाद – जॉन लॉक

* "व्यवहार के कारण व्यवहार मे आया कोई भी परिवर्तन अधिगम है।" – गिलफोर्ड

संबंधवाद सिद्धांत
उद्दीपक अनुक्रिया का सिद्धांत
SR Theory
आवृति का सिद्धांत
प्रयत्न व भूल का सिद्धांत
चयन का सिद्धांत
प्रयास व त्रुटि का सिद्धांत

] – थार्नडाइक (बिल्लियों, चूहों, मछलियों, मुर्गियों पर)

शोध शीर्षक → एनिमल इंटेलीजेन्स

SR – Stimulus Response
उद्दीपक अनुक्रिया

पावलॉव 1904

- शास्त्रीय अनुबंधन का सिद्धांत
- संबंध प्रत्यावर्तन का सिद्धांत
- प्राचीन अनुबंधन का सिद्धांत
- सहज अनुबंधन का सिद्धांत
- संबंध प्रतिक्रिया का सिद्धांत
- CR Theory (Conditioned Response) शोध- कुत्ते पर
- परम्परागत अनुबंधन का सिद्धांत
- अनुबंधन का सिद्धांत / S-Type
- प्रतिवादी अनुबंधन का सिद्धांत
- अनुकूलित अनुक्रिया का सिद्धांत
- अनुबंधित अनुक्रिया का सिद्धांत

father of conditioning
↓
"पावलॉव शरीर शास्त्री थे"

Thales

UCS भोजन → UCR लार (स्वभाविक)
CS घंटी → UCS → UCR (अस्वभाविक)
CS घंटी → CR लार (अस्वभाविक)
↓
अनुकूलित अनुक्रिया

ब्यूरहस फ्रेडरिक स्कीनर 1938 1950-54

- क्रियाप्रसूत अनुबंधन सिद्धांत (क्रिया से उत्पन्न)
- सक्रिय अनुबंधन का सिद्धांत
- RS theory / पुनर्बलन
- साधनात्मक अनुबंधन का सिद्धांत
- नैमित्तिक अनुबंधन का सिद्धांत
- R-Type Conditioning Theory (उद्देश्य)

शोध - चूहे पर 1938
कबूतर पर 1943

4 तत्व
- आकृतिकरण
- बहिर्गमन
- स्वतः आपूर्ति
- पुनर्बलन

"क्रिया प्रसूत"
↓
पर्यावरण से सक्रियता

क्लार्क एल. हल 1915

- प्रबलन का सिद्धान्त (उपयोगी - उच्च स्तर हेतु अधिक)
- गणितीय सिद्धान्त
- परिकल्पित निगमन सिद्धान्त
- आवश्यक अवकलन सिद्धांत
- जैवकीय अनुबंधन का सिद्धांत
- सबलीकरण का सिद्धांत
- चालक न्यूनता का सिद्धांत / लक्ष्य प्रवणता
- यथार्थ अधिगम का सिद्धांत
- परिस्कृत सिद्धांत

* "सीखना आवश्यकता की शर्तों की प्रक्रिया द्वारा होता है।" - क्लार्क एल. हल

समीपता अनुबंधन का सिद्धांत
स्थानापन्नता का सिद्धांत] — एडविन गुथरी (शोध- खरगोश पर)

प्रयोगकर्ता कोहलर 1920
- गैस्टाल्ट सिद्धांत /रिक्तपूर्तिता सिद्धांत "गैस्टाल्ट का अर्थ" — मेक्स वर्दीमर — पूर्ण या समग्र/सम्पूर्ण
- सूझ का सिद्धांत
- अन्तर्दृष्टि अधिगम सिद्धांत — संवेदना पर आधारित
- पूर्णाकार सिद्धांत — शोध- वनमानुष/चिम्पजी, बंदर, मुर्गी, कुत्ते
- समग्र सिद्धांत (संज्ञानवादी)
- सोच का सिद्धांत — प्रचलित शोध → सुल्तान नामक (चिम्पजी)
- पूर्ण से अंश का सिद्धांत

* गणित, व्याकरण, विज्ञान के लिए उपयुक्त विधि → सूझ का सिद्धांत

* Book- Theory of gestalt — कोफ्का

* लेबोरेटरी स्कूल की स्थापना - जीन पियाजे (जीव शास्त्री)

* विकासात्मक मनोविज्ञान के जनक - जीन पियाजे

* संज्ञानात्मक विकास को (सिद्धांत को) 'तर्क तथा मनोविज्ञान का मध्य सेतु' कहा ?
→ जीन पियाज़े

* उद्दीपक के प्रति विश्वसनीय अनुक्रिया स्कीमा कहलाती'

* संरचनात्मक सिद्धांत (संज्ञानात्मक सिद्धांत पर आधारित) — जेरोम एस. ब्रुनर

अल्बर्ट बान्डुरा
- सामाजिक अधिगम का सिद्धांत — "बालकों को फिल्म दिखाकर शोध"
- सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धांत — गुड़िया पर 196
- अवलोकनात्मक अधिगम सिद्धांत — जोकर पर
- प्रेक्षणात्मक अधिगम सिद्धांत
- मॉडलिंग

* Book- Social foundations of thought & Action - अल्बर्ट बान्डुरा

बान्डुरा ने अधिगम के 4 सोपान दिये-
1. संज्ञानात्मक अधिगम
2. मानसिक क्रिया द्वारा अधिगम
3. व्यवहारवाद
4. सामाजिक क्रिया

* अवधान/ Attention

डेविड आसुबेल - [अर्थपूर्ण शाब्दिक अधिगम सिद्धांत
आधुनिक संज्ञानात्मक सिद्धांत

* तलरूप या क्षेत्र का सिद्धांत – कर्ट लेविन (जर्मनी)

* अनुभवजन्य अधिगम का सिद्धांत → कार्ल रेन्सम रोजर्स

* सूचना प्रक्रियाकरण का सिद्धांत – जार्ज ए. मिलर

अधिगम रेखा — नतोदर   मिश्रित / अवग्रहास

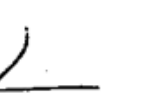

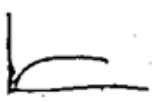

उन्नतोदर

* समरूप तथ्यों का सिद्धांत – थार्नडाइक

* सामान्य व विशिष्ट तत्वों का सिद्धांत – स्पीयरमैन

संयोजनवाद का सिद्धांत]
समरूप तथ्यों का सिद्धांत] – थार्नडाइक
स्थानान्तर का सिद्धांत]

* अवयववादी सिद्धांत – कोहलर, कोफ्का, वर्दीमर

* आदर्शों एवं मूल्यों का सिद्धांत – डब्ल्यू बागले

* सामान्यीकरण का सिद्धांत – चार्ल्स जुड

* "सीखने के एक क्षेत्र से सीखने के दुसरे क्षेत्र में स्थानांतरित होने वाले ज्ञान को अधिगम का स्थानांतरण कहते है।" – क्रो एवं क्रो

* गतिक कौशल (motor skill) में निर्योग्यता/ बोलने, चलने, पढ़ने, लिखने संबंधी समस्या – डिस्प्रेक्सिया

* अवधान संबंधी समस्या – ADHD – Attention Deficit Hyperactivity Disorder

* जन्म से न होकर बाद में किसी चोट से मानसिक विकृति के कारण विचार व्यक्त न कर पाना – डिस्फेजिया

* स्वयं के बारे में भ्रमित रहना – डिस्मोर्फिया
(शारीरिक पक्ष से)

* "चिन्तन एक ऐसी मानसिक क्रिया है जो हम लोगों को उद्दीपक व घटनाओं के प्रतिकात्मक प्रतिनिधित्व द्वारा किसी समस्या का समाधान करने में मदद करती" — सिल्वर मैन

* "चिन्तन ज्ञानात्मक पक्ष की एक मानसिक क्रिया है।" - जे.एस. रॉस

* "चिन्तन एक मनोवैज्ञानिक क्रिया है, जैसे जीवन पर आधारित कोई भी प्रक्रिया होती है।" — जे.पी. गिलफोर्ड

चिंतन
- अभिसारी / निगमनात्मक / विश्लेषणात्मक / सूक्ष्म से स्थूल की ओर
- अपसारी / आगमनात्मक / संश्लेषणात्मक / स्थूल से सूक्ष्म की ओर

* संप्रत्यय / विचार / Concept
* प्रतिबिम्ब / बिम्ब / प्रतिमान / Image
* स्मृति पर सर्वप्रथम क्रमबद्ध अध्ययन जर्मन मनोवैज्ञानिक - हर्मन एबिंगहास 1885

जोसफ डी. नोवक
- संकल्पना मानचित्र
- अवधारणा मानचित्र
- Concept mapping

"इसमें बालक पूर्व ज्ञान से नये ज्ञान की ओर जाता है।"

* "चिंतन संज्ञानात्मक पक्ष में एक मानसिक क्रिया है।" - रॉस
* प्रतिभाशाली बालक - अभिसारी चिंतन करता है।
* "अभिप्रेरणा अधिगम का सर्वोत्तम राजमार्ग है।" — स्कीनर

* "अभिप्रेरणा वे शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दशाएं हैं, जो किसी कार्य को करने के लिए प्रेरित करती है।" — मैक्डूगल

अब्राहम मैस्लो
- अभिप्रेरणा का मांग सिद्धांत
- आवश्यकता पूर्ति का सिद्धांत
- स्व - यथार्थीकरण सिद्धांत
- आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धांत

ग्रंथ - ए थ्योरी ऑफ ह्युमन मोटिवेशन
A Theory of Human motivation

* अभिप्रेरणा का प्रणोद - न्यूनता का सिद्धांत - क्लार्क लियोनार्ड हल
* सक्रियता का सिद्धांत — सोलेसबरी
* प्रत्याशा का सिद्धांत - विक्टर व्रूम
* प्रतिकात्मक प्रवृति — ड्रेवर
* जिजीविषा प्रवृति - सोपेन हावर
* सांवेगिक प्रवृति — मैक्डूगल

व्यक्तिगत भिन्नता पर आधारित प्रविधियाँ
- प्रोजेक्ट प्रणाली/प्रयोजन विधि – किलपैट्रिक
- इकाई/विनेटिका प्रणाली – डॉ. कार्लटन वाशबर्न
- डाल्टन विधि – मिस हेलन पार्कहर्स्ट
- डेक्रोली प्रणाली – डॉ. ओविड डेक्रोली
- क्रॉन्नेकर प्रणाली
- अभिक्रमित अनुदेशन – पाठ को छोटे-छोटे भागों में बाँटा जाता है।
- किण्डरगार्टन प्रणाली/बालोद्यान विधि – ऑगस्ट फ्रोबेले (जर्मनी)
- मॉण्टेसरी प्रणाली
- ह्यूरेस्टिक प्रणाली/खोज विधि – एच. ई. आर्मस्ट्रांग
- बेसिक शिक्षा प्रणाली – गाँधी जी
- खेल विधि – हेनरी कोल्डवेल कुक

* "व्यक्तित्व, व्यक्ति के व्यवहार की एक समग्र गुणात्मकता है।" – वुडवर्थ
* "व्यक्तित्व जन्मजात एवं अर्जित प्रवृत्तियों का योग है।" – वेलेन्टाइन

व्यक्तित्व के सिद्धांत
- मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत – सिग्मण्ड फ्रायड
- शील गुण सिद्धांत – आलपोर्ट व कैटल

* इदम – अहम – परमअहम का concept – सिग्मण्ड फ्रायड ने दिया
* मनोसामाजिक विकास की 8 अवस्थाएं – एरिक होनबरगर एरिक्सन

Book – Childhood and Society, Insight and Responsiblity, Identity: youth and crises – एरिक्सन

एच. ए. मुर्रे 1935
- प्रासंगिक अंतर्बोध परीक्षण ✓
- प्रौढ़ बोध परीक्षण ✓
- अन्तश्चेतनाभि परीक्षण ✓
- विषय आत्मबोधन परीक्षण ✓
- कथा प्रसंग परीक्षण ✓ – मुर्रे

* "सोचने की शक्ति ही बुद्धि है।" – बकिंघम

व्यक्तित्व मापन की विधियां

Observation/ प्रश्नावली

प्रक्षेपी विधियां (अप्रत्यक्ष)

- रोर्शा परीक्षण IBT — हरमन रोर्शा
- प्रसंगात्मक बोध TAT — मुरे
- बाल प्रसंगात्मक बोध CAT — लियोपोल्ड बैलॉक
- वाक्य या कहानी पूर्ति परीक्षण SCT — पाइन व टेण्डलर

आत्मनिष्ठ या अप्रक्षेपी विधियां (प्रत्यक्ष)

- आत्मकथा विधि
- प्रश्नावली विधि
- जीवन-वृत/व्यक्ति इतिहास विधि — टाइडमैन
- साक्षात्कार विधि

वस्तुनिष्ठ विधियां

- निरीक्षण विधि — जे.बी. वाटसन
- कर्म निर्धारण मापना या
- माप-दण्ड मूल्यांकन
- समाजमिति विधि
- निष्पादन परीक्षण ✓
- शारीरिक परीक्षण ✓
- परिस्थिति परीक्षण ✓

मनोविश्लेषणात्मक विधियां

- मुक्त/स्वतंत्र शब्द साहचर्य 1910 विधि — सिगमण्ड फ्रायड व युंग
- स्वप्न विश्लेषण विधि

---

* "बुद्धि अमूर्त विचारों के बारे में सोचने की योग्यता है।" — टरमन
* "व्यक्ति की जन्मजात शक्ति बुद्धि है।" — रॉस
* बहुबुद्धि सिद्धान्त — गार्डनर
* द्विकारक सिद्धान्त — चार्ल्स स्पीयरमैन
* Book- Cross Roads in the mind of man — कैली
* मानसिक परीक्षण शब्द का प्रथम बार प्रयोग — 1890 कैटेल
* प्रयोगशाला में बुद्धि का वैज्ञानिक परीक्षण — 1879 विलियम वुन्ट (जर्मनी)

प्रमुख बुद्धि परीक्षण

- स्टैनफोर्ड बिने परीक्षण — प्रथम सफल परीक्षण
- रेविन प्रोग्रेसिव मेट्रिक्स 1938
- संस्कृति मुक्त परीक्षण — कैटल
- जालौर बुद्धि परीक्षण (सामूहिक) — जालौटा
- गुड एनफ ड्रा ए मैन परीक्षण
- भाटिया बुद्धि परीक्षण
- वैश्लर परीक्षण

* मानसिक आयु का विचार — बिने
* बुद्धिलब्धि सूत्र — 1912 — विलियम स्टर्न व कुहलमान

$$\frac{MA}{CA}$$

* टरमन का संशोधन 1916

$$\frac{MA}{CA} \times 100$$ ✓

* सृजनात्मक परीक्षण - बाकर मेंहदी परीक्षण

* सीफैलोकौडल - शारीरिक विकास - सिर से पांव की ओर (भ्रुणावस्था मे)

* "सीखना व्यवहार में उत्तरोत्तर सामन्जस्य की प्रक्रिया है।" - स्किनर

* स्कीनर बॉक्स - प्रसूत अनुबंधन के लिए

* "सृजनात्मकता, मौलिक परिणामों को अभिव्यक्त करने की मानसिक प्रक्रिया है।" - क्रो व क्रो

* "अभिप्रेरणा की व्याख्या जन्मजात मूल प्रवृतियों के आधार पर की जा सकती है।" - मैक्डूगल

16

* "वातावरण वह बाह्य शक्ति है, जो हमें प्रभावित करती है।" - रॉस

* Q. 16 वर्षीय बच्चा बुद्धि परीक्षण में 75 अंक प्राप्त करता है। उसकी मानसिक आयु - ? $\frac{75 \times 16}{100} = 12$

* कोहलबर्ग के अनुसार, किस अवस्था में नैतिकता बाह्य कारकों द्वारा निर्धारित होती है? - पूर्व पारम्परिक अवस्था Pre traditional Condition

* "बालक एक ऐसी पुस्तक है, जिसका शिक्षक को आद्योपान्त अध्ययन करना चाहिए।" - रूसो

* कोहलबर्ग की नैतिक अवस्थाएं - 3

- पूर्व पारम्परिक अवस्था — 4-10 वर्ष
- परम्परागत अवस्था — 10-13
- पश्च/उत्तर परम्परागत अवस्था — 13 - के बाद

* मनोविज्ञान के पिता → वुंड्ट

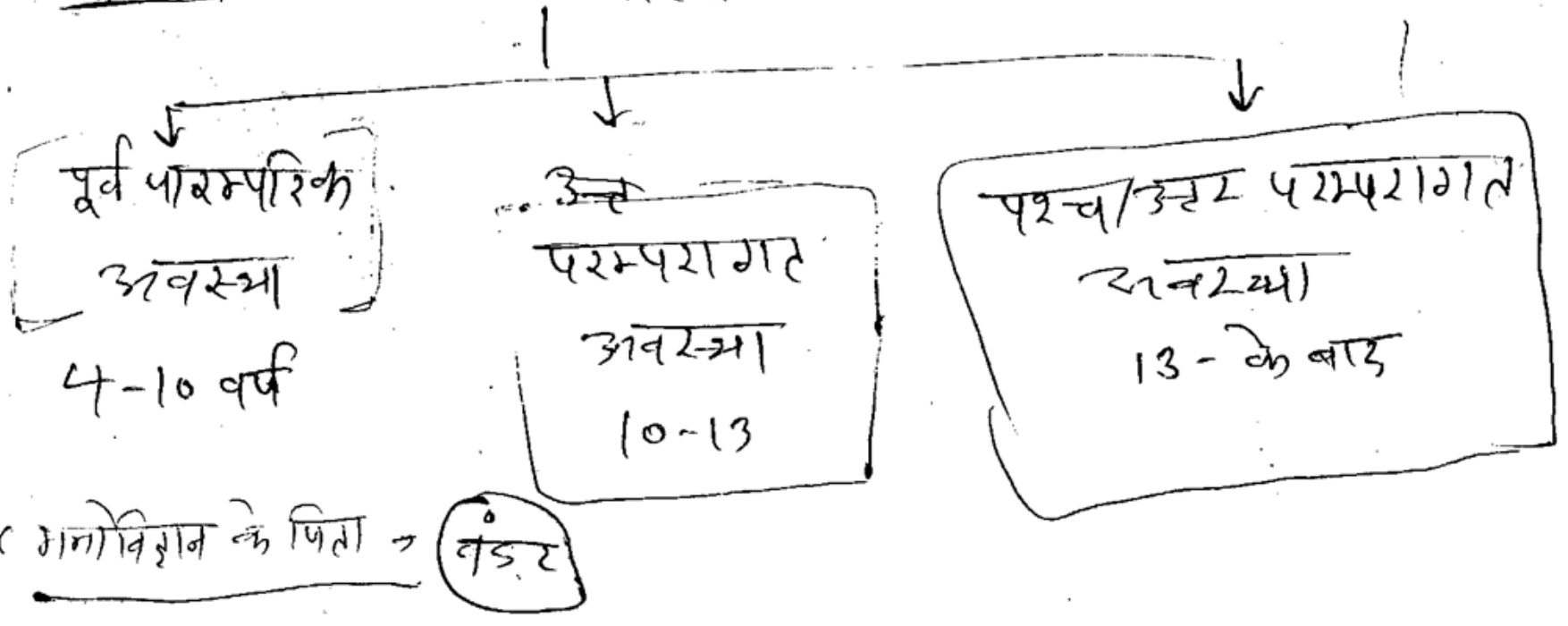

* फ्लैण्डर इंटरैक्शन विश्लेषण प्रणाली FIACS - डा. नेड ए फ्लैंडर्स द्वारा विकसित कार्यों के दृष्टिकोण एवं शिक्षक के प्रभाव पर आधारित है। फ्लैण्डर ने इस प्रणाली में सभी चरणों, जो कक्षा में होती हैं उन्हें तीन वर्गों में वर्गीकृत किया है ये है- शिक्षक - चर्चा
छात्र - चर्चा
चुप्पी/भ्रम

* अंतर्राष्ट्रीय बालदिवस → 20 नवंबर

* The Psychology of Arthmotic - एडवर्ड थार्नडाइक

* "बुद्धि परीक्षण जो मापता है, वही बुद्धि है।" - 1923 बोरिंग

* "बुद्धि ज्ञान अर्जन करने की क्षमता है।" - बुडरो

दृष्टिबाधिता	→ टॉकिंग बुक
श्रवण बाधिता	→ साइन लैंग्वेज
अल्पदृष्टि	→ मेगनीफाइंग
अधिगम अक्षमता	→ फ्लैश कार्ड

"मैस्लो सिद्धांत आवश्यकता क्रम"
1. शारीरिक
2. सुरक्षा
4. आत्मसम्मान
3. प्रेम और अपनत्व
5. आत्मसिद्धि

* मानव व्यवहार संज्ञानात्मक व्यवहारात्मक तथा पर्यावरणीय निर्धारकों के बीच सतत अन्तः क्रिया का प्रतिफल होता है। यह किस मनोवैज्ञानिक ने सीखने के सिद्धांत में स्पष्ट किया - बी. एफ. स्किनर

* वुडवर्थ के अनुसार स्मृति के क्रमानुसार 4 अंग-
सीखना → धारण → पुनः स्मरण → पहचान

* सीखने का प्रतिफल है - आकलन का मानक

* ZPD - Zone of Proximal Development - वाइगोत्स्की

* रूब्रिक्स Rubrics क्या है? - विभिन्न विषय के मूल्यांकन के लिए मानदण्ड समूह

* 16 वर्षीय बच्चा बुद्धि लब्धि परीक्षण में 75 अंक प्राप्त करता है उसकी मानसिक आयु.... वर्ष होगी $\frac{75 \times 16}{100} = 12$ ✓
* सतत और व्यापक की योजना में व्यापक शब्द ... के अतिरिक्त के द्वारा समार्थित किया जाता है। → जे.पी. गिलफोर्ड का बुद्धि-संरचना सिद्धान्त
* भाटिया बैटरी परीक्षण के - 5 उप-परीक्षण हैं
* कोलबर्ग के अनुसार, किस अवस्था में नैतिकता बाह्य कारको द्वारा निर्धारित होती है? → पूर्व पारम्परिक अवस्था Pre-traditional Condition
* बालक एक ऐसी पुस्तक है, जिसका शिक्षक को आद्योपान्त अद्योपान्त अध्ययन करना चाहिए" → रूसो
* "विकास एक सतत और धीमी-धीमी प्रक्रिया है।" → पियाजे
* बाल्यावस्था → बुद्धि का अधिकतम विकास ✓ समाजीकरण का विकास
  3 - 12
  ✓ जिज्ञासा एवं खोजी दृष्टिकोण ✓ समूह भावना
* द्विकारक सिद्धांत (बुद्धि का) 1904 - स्पीयरमैन

  कारक
  - G कारक — ① सामान्य मानसिक योग्यता
  - S कारक — ② विशिष्ट मानसिक योग्यता
* "बालक पहले पूरे हाथ व फिर अँगुलियों और हाथ व अंगुलियों को चलाना सीखता" → एकीकरण का सिद्धान्त The Principle of integration

सिगमण्ड फ्रायड का मनोलैंगिक सिद्धांत — 5

1	2	3	4	5
मौखिक अवस्था जन्म से 1 वर्ष	गुदा अवस्था 2-3 वर्ष	लैंगिक अवस्था 4-5 वर्ष	सुषुप्तावस्था (सुप्तावस्था) 6-12 वर्ष	जननिक अवस्था 12-20 वर्ष

* सामान्यतः यह देखा जाता है कि बच्चा थोड़े बहुत मामलों में अपने माँ-बाप से भिन्न होता है। → विभेद Discrimination

* एक महिला ने भोजन प्राप्त करने के लिए अपने बच्चे को बेच दिया।' इस खबर को .... के आधार पर अच्छी तरह समझा जा सकता है।
→ पदानुक्रमिक आवश्यकताओं का सिद्धान्त Hierarchical needs Theory

* अब्राहम मैस्लो ने पदानुक्रमिक आवश्यकता का सिद्धान्त प्रतिपादित किया है।
✓ जिसमे सबसे निम्न स्तर की आवश्यकताओं को प्राथमिकता बताया है
✓ जिसमे भूख-प्यास को शामिल किया गया है।

* "व्यक्तित्व सीखने योग्य व्यवहारों का आदर्श संग्रह है।" → स्किनर

* "छात्रों के भाषागत विकास में सबसे अधिक प्रभाव डालने वाला भाव्य है - सामाजिक परिस्थिति।" यह कथन → वाइगोत्स्की

* ग्रन्थियों के आधार पर व्यक्तित्व के विभिन्न प्रकारों को किसने की → क्रेशमर

* क्रेशमर ने 1925 में ग्रंथियों के आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण किया।

* Physique and Character - Book → क्रेशमर ✓✓

* क्रेशमर ने शरीर रचना के आधार पर - 4 प्रकार बताए

4

1 स्थूलकाय
2 कृशकाय
3 पुष्टकाय
4 विशालकाय

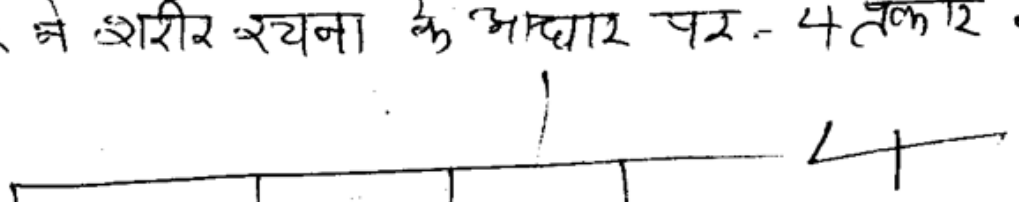

* युंग ने सामाजिकता के आधार पर 1923 में व्यक्तित्व के 2 प्रकार बताए
- अन्तर्मुखी
- बहिर्मुखी

बहिर्मुखी | अन्तर्मुखी

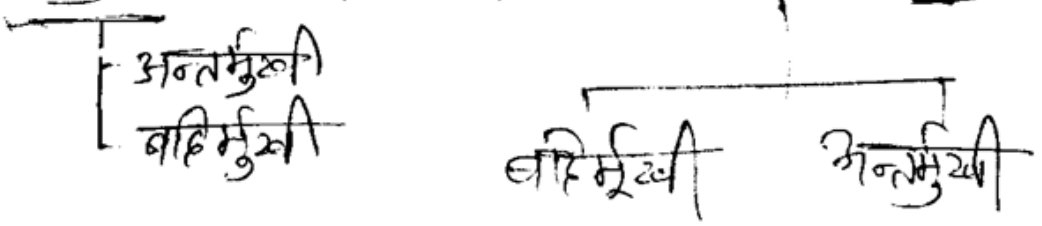

* जन्म के समय लगी चोट या भ्रूण क्षति

* "जन्म के समय लगी चोट या भ्रूण क्षति के कारण आई मानसिक मन्दता कहलाती है-" → जैविक मन्दता Biological Retardation

* स्मृति मापन विधि → प्रत्यास्मरण विधि withdrawal method ✓
• पहचान विधि ✓ identification method
→ पुनः सीखना ✓ re-learning

X तार्किक विधि logical method

* तत्परता का सिद्धान्त → थार्नडाइक - Thorndike

* "मूल प्रवृति का सिद्धान्त" → मैकडूगल Mc Dougall
14 प्रकार बताए

* कोहलबर्ग के अनुसार, वह स्तर जिसमें बालक की नैतिकता के भय से नियन्त्रित रहती है, कहलाती? — पूर्व नैतिक अवस्था Pre moral stage

* निष्पत्ति - लब्धि AQ का सूत्र (Achievement Quotient)

$$AQ = \frac{EA}{MA} \times 100$$

$$\text{निष्पत्ति-लब्धि} = \frac{\text{शैक्षिक आयु Educational Age}}{\text{मानसिक आयु Mental Age}} \times 100$$

* "व्यावहारिक बुद्धि का अर्थ है कि बुद्धि संस्कृति का उत्पाद होती है।" - स्टर्नबर्ग

* "किशोरावस्था संघर्ष, तनाव तथा तूफान का काल है।" - स्टैनले हाल

* "बच्चों का विकास - शिरस्थ सिद्धान्त के अनुसार" - विकास सिर से पैर की ओर (सिफेलोकाडल)

* "प्रतिभाशाली वह है, जो अपने उत्पादन की मात्रा, दर तथा गुणवत्ता में विशिष्ट होता है।" - आर. डब्ल्यू टेलर

* गिरोह अवस्था किस आयु-वर्ग एवं विलम्ब-विकास से सम्बन्धित है।
— 8-10 वर्ष एवं समाजीकरण

* "व्यक्तित्व उन मनोदैहिक गुणों का गत्यात्मक संगठन है जो व्यक्ति का वातावरण में अद्वितीय समायोजन करते हैं।" * आलपोर्ट *

* वह प्रक्रिया, जिसके द्वारा माता-पिता द्वारा अपने बच्चे में प्राप्त एक गुण के सकारात्मक होने पर अन्य गुणों के सकारात्मक होने का अनुमान लगाया जाता है, कहलाता है-
- हावथोनिक का प्रभाव Havatheni effect

* कौन सा सिद्धांत व्यक्त करता है कि मानव मस्तिष्क एक बर्फ की बड़ी चट्टान के समान है, जो अधिकांशत: छिपी रहती है एवं उसमें चेतन के तीन स्तर हैं?
- मनोविश्लेषण सिद्धान्त Psychoanalytic theory

* जीन पियाजे द्वारा परिभाषित चरण जिसमें ज्ञानात्मक विकास की शुरुआत शिशु द्वारा अपनी संवेदना (विवेकात्मक) एवं गतिविधियों का इस्तेमाल दुनिया को समझने के साथ होती है, कहलाता है - संवेदी मोटर अवस्था Sesory motor stage

* अधिगमकर्ता को प्रत्यक्ष प्रस्तुतीकरण उदा० - शैक्षिक टेलीविजन educational television

* "पिछड़ा बालक वह है, जो अपने पाठशाली जीवन के मध्य (10-11 वर्ष) में अपनी आयु के अनुरूप सामान्य कक्षा से नीचे की कक्षा का कार्य न कर सके।" कथन ?
- सिरिल बर्ट Cyril Burt

* "व्यक्ति में उन मनोशारीरिक अवस्थाओं का गतिशील संगठन, जो उसके पर्यावरण के साथ अद्वितीय सामंजस्य निर्धारित करता है; कहलाता है ?
- व्यक्तित्व Personality
* कैटल द्वारा विश्लेषित किए गए व्यक्तित्व शीलगुणों की संख्या - 16 है।
Ex.- धनात्मक चरित्र व्यवहार
- कुशलता
- संवेगात्मक स्थिरता
- दृढ़ता
- संवेदनशीलता
- बुद्धि
- सामाजिकता
- सौम्यता
- आत्मविश्वास Etc.

* "विकास व्यक्ति में नवीन विशेषताएं तथा योग्यताएँ प्रस्फुटित करता है" - हरलॉक

* "एक व्यक्ति का दूसरे व्यक्ति से अन्तर एक सार्वभौमिक घटना जान पड़ती है।
- टॉयलर toiler (व्यक्तिक भिन्नता स्पष्ट।)

* अरस्तु ने साहचर्य के 3 नियम बताए - association (संगठन)
1. समानता का नियम ✓
2. समीपता का नियम ✓
3. वैषम्य का नियम ✓

* प्रतिक्रिया का विलोप होना - के बाद अधिक कठिन है ? - आंशिक पुनर्बलन Partial reinforcement
विशेष - पुनर्बलन का सिद्धांत → ~~क्लार्क~~ Clark & Hal

क्लार्क एवं हल के अनुसार आवश्यकता अधिगम का आधार है अर्थात आवश्यकता ही चालक drive है, और आवश्यकता पूर्ण होते ही चालक कम हो जाता है। जब आंशिक रूप में पुनर्बलन दिया जाता है तो प्रतिक्रिया का अभाव होने लगता है।

* प्रेक्षणात्मक अधिगम सम्प्रत्यय - बण्डूरा Bandura
- आचरण परिवेश में रहकर सीखा जाता है। जो प्रेक्षणात्मक अधिगम के अन्तर्गत सम्पन्न होता है। दूसरों के व्यवहारों का प्रेक्षण

~~A कोहबर्ग का नैतिकता का विकास →~~

* मनोसामाजिक विकास का सिद्धांत - एरिक्सन - 8

1. विश्वास बनाम अविश्वास - 18 माह 1½ वर्ष
2. स्वतन्त्रता बनाम लज्जाशीलता 1½ वर्ष - 3
3. पहल शक्ति बनाम दोषित 3-5 वर्ष
4. परिश्रम बनाम हीनता 6-12 वर्ष
5. अहं पहचान बनाम भूमिका संभ्रान्ति 12-18 वर्ष
6. घनिष्ठता बनाम विलगाव/अलगाव 18-35 वर्ष
7. जननात्मकता बनाम स्थिरता 35-65 वर्ष
8. अहं संपूर्णता बनाम नैराश्य/निराशा 65 - के बाद

* पियाजे संज्ञानात्मक विकास का सिद्धांत -

1. संवेदी पेशीय अवस्था 0-2 वर्ष (इंद्रिय जनित)
2. पूर्व संक्रियात्मक अवस्था 2-7 वर्ष
3. मूर्त संक्रियात्मक अवस्था - 7-11 वर्ष (बिम्बकल्पनात्मक) (कारक सोचना)
4. औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था 11-15 वर्ष (कल्पनीय अवस्था)

→ वैचारिक क्रिया अवस्था / नियमीकरण अवस्था

* टर्मन का बुद्धि वर्गीकरण IQ.

महामूर्ख, जड़ Idiot - 0-25

मूढ़ बुद्धि Imbecile - 26-50

मूर्ख moron - 51-69/70

क्षीण/निर्बल feeble - 70-79 *

मंद/पिछड़ा Dull या Backward - 80-89 *

सामान्य बुद्धि/औसत Average - 90-109

तीव्र/श्रेष्ठ/प्रखर/उत्तम Above Average 110-119

अति श्रेष्ठ/अति प्रखर (अत्यन्त तीव्र/अतिकुशाग्र) 120-139

अति उत्तम बुद्धि Superior

प्रतिभाशाली Genius - 140 से अधिक

* एक विद्यार्थी अपने अध्यापक से समय पाबन्दी सीखता है, यह एक उदाहरण है :
→ प्रेक्षण अधिगम का (of obseqvational Access)

* होवर्ड गार्डनर ने 'बहु बुद्धि' सिद्धान्त प्रस्तुत किया - इनके अनुसार, बुद्धि कोई एक तत्व नहीं है, बल्कि कई भिन्न भिन्न प्रकार है - (8)

1. भाषात्मक
2. तार्किक - गणितीय
3. दैशिक
4. संगीतात्मक
5. शारीरिक गति संवेदी
6. अन्तर्वैयक्तिक — दूसरो की भावना को जानना
7. अन्तरा व्यक्ति — Same %
8. प्रकृतिवादी
9. अस्तित्ववादी

* समावेशी शिक्षा NCF 2005 द्वारा का उद्देश्य → शारीरिक दोषयुक्त छात्र हीन भावना का शिकार न हो सके

* सामान्यतः भाषा सीखने के प्रयास मे होने वाली त्रुटि को विकासात्मक त्रुटि कहा जाता है।

* 'जब बच्चे एक अवधारणा को सीखते है और उसका प्रयोग करते है, तो अभ्यास उसके द्वारा की जाने वाली त्रुटियों को कम करने में सहायता करता है।' यह विचार है
— ई. एल. थॉर्नडाइक

* सूक्ष्म शिक्षण चक्र समयावधि — 36 मिनट

- ✓ पढ़ाना - 6 ✓
- ✓ फीडबैक - 6 ✓
- ✓ पुनर्योजना - 12
- ✓ पुनर्शिक्षण - 6
- ✓ पुनर्फीडबैक - 6

= 36 मिनट

* अभिप्रेरण सेट motivation sets
सहज प्रवृति → लक्ष्य निर्देशित → लक्ष्य प्राप्ति — संतुष्टि
Tolerance

* रोर्शा प्रक्षेपी परीक्षण है → अचेतन प्रयोजन unconscious motive

* व्यक्तित्व गुण / विशेषता सिद्धांत से संबंधित → गार्डनर, आलपोर्ट, रेमण्ड, कैटल

* सृजनात्मक [illegible] तत्व [illegible] संबंध → प्रवाह, → विविधता → मौलिकता → विस्तारण

* 4-5 वर्ष का बालक पिता की अपेक्षा माता में स्नेह रखता - फ्रायड ने इसे क्या कहा
→ ओडिपस कॉम्प्लेक्स Oedipus complex

* पूर्व अनुभव से नया कौशल सीखना → उर्ध्व अन्तरण Vertical transfer

* रचनात्मकता की प्रक्रिया के लिए सही तार्किक क्रम -
- तैयारी - परिपाक - अन्तर्दृष्टि - सत्यापन
Preparation - maturity - insight - verification

* वे बच्चे जो विभिन्न प्रकार की अधिगम समस्याओं से ग्रसित रहते हैं, उन्हे 'अक्षम' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया-
- सैमुअल किर्क

* विद्यार्थियों में पाई जाने वाली 'अधिगम शैलियों में भिन्नता के कारण हो सकते हैं
- विद्यार्थी द्वारा अपनाई जाने वाली चिन्तन की युक्तियाँ
(हर व्यक्ति का सोचने समझने के अलग तरिके के अनुसार)

* समान/सरलरेखीय अधिगम

* अधिगम का पठार   (निष्क्रिय स्थिति)

* NIVH - National institud of visual Handicand - देहरादुन
- सम्बंध दृष्टिबाधित visuality impaired

* अभिप्रेरण चक्र के संदर्भ में सही क्रम -
- आवश्यकता → प्रबल प्रेरणा → उत्तेजना → लक्ष्य उन्मुखी व्यवहार - उपलब्धि
Need - strong motivation - arousal | goal-oriented behavior | - उत्तेजना में कमी | Achievement

* कैटल संस्कृति मुक्त परीक्षण की मापनी - 4-8 वर्ष मानसिक दोष मुक्त बालक हेतु

* 'स्वलीन' - अयथार्थवादी विचारो में खोए रहना / अवास्तविक

* यथार्थवादी चिंतन के 3 प्रकार
- अभिसारी
- सृजनात्मक
- आलोचनात्मक

* मानवतावादी मनोवैज्ञानिक →
- मैस्लो, रोजर्स, आर्थर कोम्बस

* 'अभिप्रेरणा चक्र' तत्व → आवश्यकता-अन्तर्नोद - प्रोत्साहन
* बालक के प्राकृतिक विकास प्रभाव पर बल दिया- मान्टेसरी
* संवेगात्मक बुद्धि शब्द का प्रयोग - 1990 जॉन मेयर व पीटर सलोवे
* संवेगात्मक बुद्धि शब्द को प्रसिद्ध किया - डेनियल गोलमैन

Book - संवेगात्मक बुद्धि: बुद्धि लब्धि से अधिक महत्वपूर्ण क्यों?

* 'लुप्त अधिगम' सम्प्रत्यय को सर्वप्रथम परिचित - एडवर्ड चेस टॉलमैन